(Semester System)
एम.ए. (एप्लायड फिलॉसफी एण्ड योग; अनुप्रयुक्त दर्शन एवं योग)
समस्त संशोधन सत्र 2010....11 से प्रभावी

नोट :.– विद्यार्थियो को दर्शन शास्त्र विषय का सामान्य परिचय अपेक्षित है।
पुस्तकों की जानकारी विषय शिक्षकों द्वारा छात्रों कों दी जाएगी।

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र दर्शनशास्त्र परिचय

इकाई 1:– दर्शन शास्त्र की परिभाषाए विषय वस्तु और महत्व ;भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोणद्ध
इकाई 2:– तत्व मीमांसा का अर्थ विषयवस्तु महत्वए परम सत्एजगतए आत्मा ।
इकाई 3:– ज्ञान मीमांसा– ज्ञान का स्वरुप प्रमाण, प्रामाण्यवाद, भ्रम के सिद्वांत, ख्यातिवाद ।
इकाई 4:– नीति मीमांसा – नीतिशास्त्र का स्वरुप नैतिक मूल्य, पूर्णतावाद, उपयोगितावाद ।
इकाई 5:– अनुप्रयुक्त दर्शन– अर्थस्वरुप महत्व।

पुस्तक सूची

1. दर्शन विवेचना	वेदप्रकाश वर्मा
2. तत्व मीमांसा एवं ज्ञान मीमांसा	केदारनाथ तिवारी
3 .भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण	संगमलाल पांडेय

द्वितीय प्रश्न पत्र योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि

इकाई 1 :–भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताए, भारतीय दर्शन में योग का महत्व।
इकाई 2 :–योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि, सांख्य –दर्शन सांख्य और योग संबंध, पुरुष सिध्दि, बंधन।
इकाई 3 : सांख्य प्रकृति. सिध्दि, स्वरुप विकासवाद, कैवल्य।
इकाई 4 : योग सूत्र . अष्टांग योग परिचय।
इकाई 5 :– गीता में योग के विविध रुप, भक्ति ज्ञान, कर्म।

पुस्तक सूची

1 योगदर्शन	डॉ.सम्पूर्णानंद
2 पंतजल योगविमर्श	विजयपाल शास्त्री
3 भारतीय दर्शन की रुपरेखा	एम हिरियन्ना
4 सांख्यतत्व कौमुदी	वाचस्पति मिश्र

तृतीय प्रश्न पत्र हठयोग सिद्वांत एवं साधना

इकाई 1 :– हठयोग की परिभाषा अभ्यास हेतु उचित स्थान, ऋतुकाल।
साधना में साधक व बाधक तत्व। हठ सिध्दिके लक्षण ।
हठयोग की उपादेयता योगाभ्यास के लिए पथ्यापथ्य निर्देश।
इकाई 2 :– हठ योग प्रदीपिका में वर्णित आसनों की विधि व लाभ।
प्राणायाम की परिभाषा, प्रकार, विधि, प्राणायामकी उपयोगिता।
षट्कर्म वर्णन, धौति, वस्ति, नेति, नौलि त्राटक, कपाल–भाति की विधि व लाभ।
इकाई 3 :– कुंडलिनी का स्वरुप, जागरण के उपाय।
बंध.मुद्रा वर्णन, महामुद्रा, महाबंध, महावेध, खेचरी, उडडीयान बंध, जालंधर, मूलबंध

विपरीतकरणी, बज्रोली, शक्तिचालिनी समाधि का वर्णन नादांनुसंधान।

इकाई 4 :– सप्तसाधन घेरण्ड संहिता में वर्णित षटकर्म – धौति, वस्ति, नेति, नौलि त्राटक कपालभाति की विधि सावधानियां व लाभ।

इकाई 5 :– घेरंडसंहिता के आसन, प्राणायाम, मुद्राए, प्रत्याहार, ध्यान व समाधि का विवेचन।

पुस्तक सूची

1.	हठयोग प्रदीपिका	प्रकाशक कैवल्यधाम लोणावाला
2.	घेरण्ड संहिता	प्रकाशक कैवल्यधाम लोणावाला
3.	योगांक ए कल्याण विशेषांक	गीता प्रेस गोरखपुर
4.	हठयोग	स्वामी शिवानंद
5	योंग विज्ञान	स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती

चतुर्थ प्रश्नपत्र क्रियात्मक

पवनमुक्तासन एक दो एवं तीन सूर्यनमस्कार ।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र चेतना का अध्ययन

इकाई 1 :– चेतना का अर्थ, परिभाषा स्वरुप, अध्ययन की आवश्यकता

इकाई 2 :– उपनिषद, बौद्व, जैन मतानुसार चेतना

इकाई 3 :– चेतना का स्वरुप, अद्वैत वेदांत, सांख्य मत, आत्मा, ब्रहम, पुरुष. सिद्वि, बहुत्व

इकाई 4 :– चेतना का स्वरुप, हुसर्ल, सार्त्र, श्री अरविंद

इकाई 5 :– मानव का स्वरुप राधा कृष्णन, रवीन्द्रनाथ टैगोर

पुस्तकसूची

1	समकालीन भारतीय दर्शन	बी के लाल
2	समकालीन पाश्चात्य दर्शन	बी के लाल
3	समकालीन पाश्चात्यदर्शन	लक्ष्मी सक्सेना

द्वितीय प्रश्न पत्र पातंजल योगसूत्र

इकाई 1:– योग की परिभाषा, चित्त चित्तकी भूमियॉ, चित्तकी वृत्तियॉ अभ्यास और वैराग्य, समाधि के भेद, ईश्वरत्व, ईश्वर प्राणिधान चित्त प्रसादन के उपाय ऋतंभराप्रज्ञा।

इकाई 2:– पंचक्लेश, दुःखका स्वरुप, चतुर्व्यूवाद, विवेकख्याति, सप्तधाप्रज्ञा ।

इकाई 3:– योग के आठ अंग यम, नियम, इनके सिद्वि का फल, वितर्क विवेचन प्राणायाम का फल, प्रत्याहार का फल।

इकाई 4:–धारणा, ध्यान और समाधि संयमचित्त का परिणाम, विभूति और उसके भेद, कैवल्य का स्वरुप।

इकाई 5: सिध्दि के पांच भेद, निर्माण चित्त कर्म के भेद, दृष्टा और दृश्य धर्ममेध समाधि, आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता ।

संदर्भग्रथ सूचीः–

1	योग सूत्रतत्ववैशारदी	वाचस्पति मिश्र
2	योग सूत्र योग वर्तिका	विज्ञानभिक्षु
3	योग सूत्र राज मार्तंड	हरिहरानंद आरण्य
4	पातंजल योगप्रदीप	ओमानंद तीर्थ
5	पातंजल योग विमर्श	विजयपाल शास्त्री
6	ध्यान योग प्रकाश	लक्ष्मणानंद
7	योग दर्शन	राजवीर शास्त्री

तृतीय प्रश्नपत्र योग एवं स्वास्थ्य

इकाई 1ः—स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ पुरुष के लक्षण, दिनचर्या—मुखशोधन, व्यायाम की परिभाषा, योग्यायोग्य प्रकार, लाभ, स्नान के लाभ एवं दोष के अनुसार स्नान संध्योपासना, योगाभ्यास । रात्रिचर्या —निद्रा एवं ब्रहमचर्य,. ऋतुचर्या, ऋतुविभाजन, ऋतु के अनुसार दोषो का संचय प्रकोप व प्रशमन। सदवृत्त एवं आचार रसायन ।

इकाई 2ः—आहार की परिभाषा, आहार के गुण व कर्म। आहार के घटकद्रव्य —कार्बोज, वसा, प्रोटिन ,खनिजपदार्थ, जीवनीय तत्व जल। आहार की मात्रा व काल, संतुलित आहार। दुग्धाहार, फलाहार, अपक्वाहार, मिताहार उपवास। शाकाहार व मांसाहार के अवगुण। अंकुरित आहार के लाभ, योगाभ्यासी के लिए निषिद्व आहार।

इकाई 3ः—निम्नलिखित रोगों का लक्षण, कारण व यौगिक उपचार अग्निमांद्य, अजीर्ण, पीलिया, कोष्ठबद्वता, अम्लपित्त, ग्रहणी, कोलाइटिस, दमा, उच्च व निम्न, रक्तचाप गृध्रसी; साइटिका, आमवात; अर्थराइटद्ध, वातरक्त; गठियाद्ध।

इकाई 4ः—नाभि टलना, चर्मरोग, प्रतिश्याय, कर्णबाधिर्य, नासांकुर वृद्वि, पोलिपस एबाल झड़ना, दृष्टि क्षीणता, सर्वाइकल स्पाडोंलाइटिस, धातुदौर्बल्य, मधुमेह, बौनापन कष्टार्तव, श्वेतप्रदर, कटिशूल।

इकाई 5— आधुनिक जीवन शैली में योग की प्रासंगिकता एसावधानियॉ एवं निदान।

संदर्भ ग्रथ

1 स्वस्थवृत विज्ञान रामहर्ष
2 यौगिक चिकित्सा कुवल्यानंद
3 योग से आरोग्य कालिदास

चतुर्थ प्रश्नपत्र क्रियात्मकए

1 प्राणायाम, मुद्रा एवं बंध क्रिया प्रथम सेमेस्टर के आसनों के साथ

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र श्रीमद् भगवद गीता दर्शन एवं योग साधना के तत्व

इकाईः 1— श्रीमद् भगवद गीता का स्वरुप, रचनाकाल, श्रीमद् भगवदगीता का दार्शनिक एवं आध्यात्मिक महत्व। मानवीय चिंतन एवं जीवन पर विश्वव्यापी प्रभाव।

इकाईः 2— श्रीमद् भगवदगीता के कुछ प्रमुख भाष्यकारो का जीवन परिचय उनकी योग साधनाए एवं भाष्य की विशेषताएं, आचार्य शंकर, आचार्य रामानुज, लोकमान्य तिलक तथा गॉधी के संदर्भ में।

इकाईः 3— श्रीमद् भगवदगीता का तत्व विचार, माया, प्रकृति, पुरुष, ईश्वर तथा अवतार तत्व का स्वरुप, श्रीमद्भगवद गीता का आचार शास्त्र।

इकाईः 4—गीता में योग की प्रवृत्ति व स्वरुप। योग के भेदए कर्मयोग, भक्ति योग, ज्ञानयोग, ध्यान योग का स्वरुप। भक्त, कर्मयोगी व ज्ञानयोगी व ज्ञानी तत्व के लक्षण, स्थितप्रज्ञ का तत्व दर्शन।

इकाई 5— गीता का निष्काम कर्मयोग, ज्ञान भक्ति एवं कर्म योगों का समन्वय।

संदर्भग्रथ सूची

1 श्रीमद्भगवदगीता रामानुज भाष्य
2 गीतांक गीताप्रेस गोरखपुर
3 गीतामाता गॉधी

4	गीता प्रवचन संत	विनोवाभावे
5	श्रीमदभगवदगीता; गीतारहस्यद्ध	लोकमान्य तिलक
6	श्रीमद्भगवदगीता	शांकरभाष्य

द्वितीय प्रश्न पत्र आसन और प्राणायाम का वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1:– आसन परिभाषा, उददेश्य, आसनों का वर्गीकरण आसन और व्यायाम में अंतर बंधो का वैज्ञानिक विवेचन।

इकाई 2:– ध्यानात्मक शरीर–सम्वर्धनात्मक एवं विश्रामात्मक आसनों का वैज्ञानिक विवेचन, शुद्विक्रियाओं, षठकर्मो का वैज्ञानिक विवेचन।

इकाई 3:– प्राणायाम की परिभाषाए प्राणायाम के गुण विशेष प्राणायाम की प्रक्रिया का वैज्ञानिक विवेचन, श्वसन तंत्रकी क्रियाविधि, प्राणायाम के संदर्भ में दीर्घश्वसन एवं प्राणायाम में अंतर ।

इकाई 4:– प्राणशक्ति के पॉच स्वरुप, विभिन्न रोगों के निदान में प्राणायाम की उपयोगिता, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन कें संदर्भ में।

इकाई 5:– प्राणायाम में ध्यानात्मक आसनों व बंधोकी अनिवार्यता का वैज्ञानिक विवेचन ।

संदर्भ ग्रथ सूचीः–

1	प्राणशक्ति एक दिव्य विभूति	पं श्री राम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वांड़मय
2	योगासन और स्वास्थ्य	डॉ लक्ष्मीनारायण अग्रवाल
3	आसन प्राणायाम से आधि	व्याधि निवारण्ण–ब्रम्हवर्चस
4	योग दीपिका	बीके एस आयंगर
5	योग एवं यौगिक चिकित्सा	प्रो रामहर्ष सिंह

तृतीय प्रश्न पत्र समाजदर्शन

इकाईः– 1 समाज दर्शन का उददेश्य, स्वरुप, विशेषताएं

इकाईः– 2 समाज के आधारभूत तत्व समाज की उत्पत्तिः– दैवी सिद्वांतए विकासवादी सिद्वांत

इकाईः– 3 समाज और संस्कृति धर्म और समाज धर्म और राजनीति में संबंध

इकाईः– 4 राजनैतिक आदर्श –समाजवाद साम्यवाद अराजकतावाद फासीवाद राष्टवाद

इकाईः– 5 गांधीवाद– धर्म और राज्य, रामराज्य की अवधारणा, विशेषताएं एकात्म मानववाद सामाजिक और राजनैतिक आदर्श के रुप।

सहायक पुस्तकें

1	समाजदर्शन की भूमिका	जगदीश सहाय श्रीवास्तव
2	समाजदर्शन परिचय	शिवभानु सिंह
3	समाज दार्शनिक परिशीलन	यशदेवशल्य

चतुर्थ प्रश्नपत्र

क्रियात्मक षटकर्म प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के आसनों के साथ पेपर

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र शिक्षादर्शन

इकाईः–1 शिक्षा का अर्थ परिभाषा स्वरुप उददेश्य दर्शन –अर्थ परिभाषा स्वरुप
इकाईः–2 शिक्षा के दार्शनिक आधार प्रयोजनवाद प्रकृतिवाद यथार्थवाद अस्तित्ववाद
इकाईः–3 दयानंद सरस्वती विवेकानंद श्री अरविंद टैगोर और गांधी का शिक्षा दर्शन
इकाईः–4 मूल्यपरक शिक्षा वांछित मूल्य धर्म–अर्थ काम मोक्ष स्वधर्म आत्मगौरव
इकाईः–5 भारत में शिक्षा समस्यायें समाधानः–धार्मिक शिक्षा एसंस्कृतिऋ संकट रोजगार परकता नारी सशक्तिकरण राष्टीय एकता परीक्षा प्रणाली

सहायक पुस्तकें

1 पाश्चात्य एवं भारतीय शिक्षा दार्शनिक रामशकल पाण्डेय
2 शिक्षा की दार्शनिकएवं सामाजिक पृष्ठभूमि रामशकल पाण्डेय
3 शिक्षा के दार्शनिक आधार एन के शर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र शरीर एवं शरीर क्रियाविज्ञान

इकाईः–1 शरीर रचना का सामान्य परिचय चलन तंत्र रक्त वाहिका तंत्र पाचन तंत्र श्वसन तंत्र मूत्र –जनन तंत्र तंत्रिका तंत्र उत्सर्जन तंत्र तथा संतुलित आहार।
इकाईः–2 कंकाल तंत्र उर्ध्व शाखा का कंकाल अधःशाखा का कंकाल ।
इकाईः–3 परिसंचरण तंत्र हृदय हृदयचक हृदय संरोध के कारण एवं बचाव के उपाय यौगिक सावधानियां एव ंनिदान रक्त की संरचना।
इकाईः–4 पाचन तंत्र रक्त वाहिका तंत्र तथा श्वसन तंत्र इनकी कार्य प्रणाली पर यौगिक क्रियाओं का प्रभाव।
इकाईः–5 मूत्रजनन तंत्र उत्सर्जन तंत्र तथा तंत्रिका तंत्र इनकी कार्यप्रणाली पर योगिक।

सहायक पुस्तकें

1 शरीर और शरीर क्रिया विज्ञान मन्जु गुप्त
2 ।दंजवउल ंदक चेलेपवसवहल म्अमसलन च्मंतबम

तृतीय प्रश्नपत्र

यह प्रश्न पत्र दो भागों में विभक्त होगा

1 परियोजना कार्य 75 अंक
2 शैक्षिक भ्रमण/मौखिकी 25 अंक

चतुर्थ प्रश्न पत्र

1 उच्च स्तरीय योगिक क्रियाएं 2 शोधन क्रियाएं
3 प्राणायाम 4 बंध एवं मुद्रा 5 ध्यान

M.A. Philosophy (Semester System)
For SOS and Colleges Effective from Session 2011-12.

There shall be four semesters, each semester shall consist four papers Each paper shall carry 100 marks.(80 theory+20 internal.)

Semester -I

Paper -I Indian Ethics

Unit -I. Presuppositin of Indian, Dharma asethical code, Concepts of Rta, Rina and Yajna.
Unit -II. Law of Karma and its mporal implication ,Karma Yoga
Unit-III. Nishkam Karma, Swadharma and LokaSamgraha of Gita, Triratna of Jaina Ethics.
Unit -IV. Ashtanga Yoga of Patanjali and Eight fold path of Buddha.
Unit -V. Sadhana Chatushtaya -means of ethical life.

Paper -II Indian Logic.

Unit -I. Nature of Indian logic,Relation of logic with Epistemology and Metaphysics, Concept of Purvapaksha, Siddhanta paksha,and Anvikshiki.
Unit-II. Definition and constituents of Anumana--Nyaya ,Buddhist and Advaitic perspective.
Unit-III. Types of Anumana- Nyaya ,Buddhist and Advaitic perspective.
Unit- IV. Vyapti,Paksha and Paramarsha,Jaina theory of Anumana.
Unit-V. Hetvabhasas.

Paper-III. Indian Epistemology.

Unit I. Definition and nature of Cognition, Prama and Aprama, Nature of Indriyas.
Unit-II Origin and ascertainment of validity,Swatah and Paratah pramanya.
Unit-III. Debate about validity and invalidity of dream and memory cognitions, meaning of khyativada, Sadkhyati and asadkhyati.
Unit-IV. Akhyativada, Anyatha khyativada, Atma khyativada, Anirvachaniyakhyativada Sadasadkhyativada,Viparitakhyativada.
Unit-V. Breif study of Pratyaksha,Shabda,Arthapatti and Anupalabdhi pramanas.

Paper-IV. Indian Metaphysics.

Unit-I. Nature of metaphysics, Concept of Reality, Appearance and Relation.
Unit-II. Monism, Dualism, Advaitism--debates regarding Reality.

Unit-III. Theories of cause and effect,Parinamavada , vivartavada, Maya in different schools of Vedanta.
Unit-IV. Shunyavada,Brhmavada,Theism ,Naterialism.
Unit-V. Cosmology--Advata, Visishtadvaita and Dvaita.

Semester II

Paper-I Western Ethics..

Unit-I. Definition, nature and scope of ethics, Difference between Ethical and social values.
Unit-II. Emotivism--A.J.Ayer. Prescriptivism--R.M.Hare.
Unit-III. Utilitarianism-for and against, Neo-naturalism.
Unit-IV. Kantianism-for and against.
Unit-V. Righst, Duties, Responsibilities and Justice.

Paper-II Western Logic

Unit-I. Definition and nature of logic,Trtuth and validity, Induction and Deudction.
Unit-II. Categorical proposition,Categorical syllogism, validity test by Vein diagram.
Unti-III. Fallacies--Formal and informal.Explaination and Hypothesis--Scientific.
Unit-IV. Techniques of symbolization, Formal proof of validity--10 rules.
Unit-V. Rules of inference (10+9==19 rules.)

Paper-III. Western Epistemology.

Unit-I. Knowledge and belief--their definition, nature and relation.
Unit-II. Scepticism and possibility of knowledge of other mind.
Unit-III. Theories of truth--Correspondence, Coherence and Pragmatic.
Unit-IV. Evaluation of Rationalism , Empiricism and Criticalism.
Unit-V. Meaning and reference , Knowledge of knowledge, limits of knowledge.

Paper-IV. Western Metaphysics.

Unit-I. Metaphysics--Definition, Scope,Possibility and Concerns.
Unit-II. Appearence and Reality,Realism--for and against, Universals.
Unit-III. Substance--Rationalism,Empiricism and Process veiw of Reality.
Unit-IV. Causal theories , Space and Time.
Unit-V. Mind and Body--Dualism, Materialism, Self-knowledge and self-identity.

Semester-III

Paper -I Indian Philosophy of Language.

Unit-I Problem of meaning--Abhidha, Classes of words , Brief account of Akritivada,Vyaktivada,Apohavada,Shabda Bodha.
Unit-II Sphota-Patanjali and Bhartrihari, Arguments against Sphota.
Unit-III Conditions of knowing sentence- meaning(Vakyartha) Akanksha ,Yogyata, Sannidhi,Tatparya jnana; Comprehension of sentence meaning Anvitavidhanavada , Abhihitanvayavada.
Unit-IV Mimamsaka's theory of Bhavana and its criticism.
Unit-V Metaphysical basis of language--Shabda Brahamn of Bhartrihari.

Paper II Analytical Philosophy

Unit I Definition,Nature and Necessity of Anlytical Philosopjhy.
Unit-II Logical Positivism and Verification Principle - A.J.Ayer
Unit-III Ludwing Wittgenstivin - Atomic facts, Elementary proposition, Picture theory, Use theory , Language game.
Unit-IV thesories of meaning- relation between mesaning and truth, Proper names and definite description.
Unit-V Elimination of metaphysics - A.J.Ayesr, Witt and M. Schlick.

Paper III Modern Indian Thought

Unit- I Characteristic features,Indian Philosophy today - Problems & direction. Swami Vivekanand - Universal Religion, Practical,Vedanta.
Unit-II Rabindra Nath Tagore-Man and God , Religion of Man.
Mahatma Gandhi- Non-violence, Criticismof modern civilization.
Unit-III Dr.S.Radhakrishnan- Intellect and Intuition Synthesis of East and West.
Sri Aurobindo- Reality as Sat-Cit-Anand ,thleory of evolution.
Unit-IV. M.N. Roy - Criticism of communism, Radical Humanism.
K.C.Bhattacharya-Grads of Consciousness, Interpretation of Maya.
Unit-V. B.R. Ambedkar- Criticism of social evil.
Acharya Rajnish(Osho)- Concept of Education.

PAPER-IV. Phenomelogy & Existentialism

Unit-I. Phenomenology : Meaning and methodology.
Unit-II Husserl Natural world thesis, Essence and essential .
Unit-III. Heidegger-- Being :Dasein.

Merleau Ponty : Phenomenology perception.

Unit-IV Existentialism: Characteristics, common grounds and diversities among existentialist.

Unit- V Freedom : decision and choice.
Authentic and non-authentic existen.

SEMESTER-IV

Paper I A. Advaita Vedanta

Unit-I. Theories of Adhyasa, Maya,Avidya and Vivartavada.
Unit-II. Concept of Brahman, Atman, Jiva, Jagat and Moksha.
Unit-III. Tarkapada of Sharirak Bhashya--Criticism of Samkhya and Vaiseshika by Shankara.
Unit-IV. Criticism of Jainism and Buddhism by Shankara.
Unit-V. Criticism of Shankara by Ramanuja.

OR

Paper I B. Philosophy of Gandhi

Unit-I. Life sketch, Contemporary conditions and religions influencing Gandhi's thoughts , Sarvodaya.
Unit-II. Nature of God, Jiva, Jagat,quality of Religions (Sarvadharmasamabhava).
Unit-III. Satyagraha and Ahimsa--a socio-ethical interpretation.
Unit-IV. Varna system, Trusteeship.
Unit-V. Relevance of Gandhi's philosophy--with special reference to Peace, Globalization and Swadeshi.

Paper-II A. Philosophy of Yoga.

Unit-I. Definitions ,need of Yoga in modern living, Concept of Chitta and Vrittis.
Unit-II. Ashtanga Yoga- Yma,Niyama, Asana Pranayam, Pratyahara, Dharana, Dhyana and Samadhi.
Unit-III. Two types of Samadhi,Attainment of samadhi through meditating on God,
Unit-IV. Five Kleshas and their nature,Conjunction of Drishta and Drishya-the root cause of ignorance,Kaivalya -removal of Avidya.
Unit-V. Eight siddhis resulting from contol over chitta and thier description, Kaivalya only when siddhis are transcended.

OR

Paper-II B. Nyaya Philosophy.

Textual study of any one of the following--

1. Selection from Tattvachintamani of Gangesha.
2. Tarksamgrah of Annambhatta.
3. Tarkabhasha of Keshav Misha.
4. Nyayasutra bhashya of Vatsyayana.

Paper III A. Applied Ethics.

Unit - I Nature and Scope of Applied Ethics. Teleological Approach to moral actions.
Unit - II Valukes - Value and disvalue , Value neutrality and culture, Specific values.
Unit -III Public and private morality, Applied ethics and Politics.
Unit-IV Professional ethics - Morals and laws of profession, Ethical codes of conduct for various professions and their professionals.
Unit- V Socsial justice-Philosophical perspectives and presuppositions, Limits of Applied Ethics.

OR

PAPER III (B) ETHICS AND SOCIETY

Unit - I Individual and Social morality, Purushartha, Sadharana Dharma.
Unit - II Varna Dharma , Ashrama Dharma, Nishkama Karma.
Unit - III Kant - The ethics of Duty, Respect for person, Bradley-Station and its duties.
Unit - IV Sexual morality, Abortion, Gender Discrimination and Caste- base reservation-for and against.
Unit - V Human rights, Feminism, Secularism, Humanism

PAPER - IV (A) COMPARATIVE RELIGION

Unit -I Problem and methods of study of Religions : Comparative Religion Need and Possibility.
Unit - II Critical study of Myths, Rituals and Cult,Functionalism and Structuralism.
Unit - III Hinduism, Tribal Religions of India (Specially Chattishgarh)
Unit - IV Islam and Crischians .
Unit - V Inter-religious dialogues , Religion and secular society, Possibility of Universal Religious.

OR

PAPER - IV (B) Philosophy of Swami Vivekanand

Unit -I Impact of Traditional Vedantaon Vivekanand,General Introduction of Navya Vedanta.

Unit - II Vedanta ofVivekanand,- Bramhan ,Maya , Jiwa , and Moksha.

Unit -III Dharma Darshan of Vivekanand - Nature of Religion, Religious tolerance, Universal Religion.

Unit-IV Four Yogas of Vivekananda - Jnana, Bhakti , Karma , and Raja yogas.

Unit-V Social Philosophy of Vivekanand- Concept and relevance of Indian Society, Social Justice.

एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र (Annual System)

एम. ए. (पूर्व) दर्शनशास्त्र परीक्षा के लिये चार सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र निर्धारित किये गये है। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाइयों में विभाजित है। एक इकाई में एक प्रश्न से हल करना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 होगा।

एम. ए. पूर्व ''दर्शनशास्त्र'' के निम्नलिखित चार प्रश्नपत्र होगे–

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1.	प्रथम	नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0430
2.	द्वितीय	तर्कशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0431
3.	तृतीय	ज्ञान मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0432
4.	चतुर्थ	तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)	100	0433

प्रथम प्रश्न पत्र
नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0430)

इकाई–1
1. कठोपनिषद के नैतिक विचार
2. कर्म सिद्धांत– उसके नैतिक फलितार्थ
3. साधारण धर्म

इकाई–2
1. ऋत, ऋण तथा यज्ञ
2. कर्मयोग, स्वधर्म तथा लोकसंग्रह (भगवद्गीता के अनुसार)
3. त्रिरत्न (जैन धर्मानुसार)

इकाई–3
1. योग के यम तथा नियम
2. संवेगवाद– ए.जे. एयर, सी.एल. स्टीवेन्सन
3. परामर्शवाद– आर. एम. हेयर, नावेल स्मिथ

इकाई–4
1. नव प्रकृतिवाद– फिलिप्पा फुट, जी, जे. वार्नाक,
2. कांट का कठोरतावाद
3. उपयोगितावाद– स्वरूप एवं प्रासंगिकता

इकाई–5
1. अधिकार और कर्त्तव्य–स्वरूप तथा मूल्य, न्याय और दण्ड का सिद्धान्त
2. व्यावहारिक नीतिशास्त्र–राजनैतिक एवं व्यावसायिक नैतिकता

ENGLISH VERSION

PAPER – I
ETHICS (INDIAN AND WESTERN)
(Paper Code – 0430)

UNIT-I
1. Moral thoughts of Kathopnishad

2. Law of Karma. Its implications
3. Sadharana Dharma

UNIT-II 1. Rta, Rna and Yajna
2. Karma Yoga, Swadharma and Lokasangraha of the Bhagwad Gita
3. Triratna of Jainism

UNIT-III 1. Yama and Niyam of Yoga
2. Emotivism- A.J. Ayer and C.L. Stevension
3. Prescriptivism- R.M. Hare

UNIT-IV 1. Neo-Naturalism- Philippa Foot and S.J. Warnack
2. Rigourism of Kant
3. Utilitarianism- Nature and Relevance

UNIT-V 1. Rights and Duties- Nature and Value. Theory of Justice & Punishment
2. Applied Ethics- Political and Business Ethics

BOOKS RECOMMENDED :

1. Gita Rahasya - B.G. Tilak
2. Ethical Philosophy of India - I.C. Sharma
3. Aspects of Hindu Mortality - Saral Jhingarn
4. Sabar Bhasy Mimansa sutra (Sutra 1-5)
5. Ethical Theory - Classical and Contemporary Readings (Ed. Louis Pojmen)
6. Ethics - History, Theory and Contemporary Issue (Ed. strean M. Cahm and peter Markin)
7. कांट का नीति दर्शन - डॉ. छाया राय
8. अधिनीति शास्त्र के सिद्धान्त - वेद प्रकाश वर्मा
9. अधिनीति शास्त्र - शिवभानुसिंह
10. नीतिशास्त्र के सिद्धान्त - हृदय नारायण मिश्र
11. नीतिशास्त्र की समकालीन प्रवृत्तियां - सुरेन्द्र वर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र
तर्कशास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0431)

इकाई–1 1. तर्कशास्त्र की परिभाषा व प्रकृति
2. भारतीय परम्परा में तर्क, ज्ञान मीमांस और तत्वमीमांस में संबंध
3. आगमन व निगमन

इकाई–2 1. अनुमान की परिभाषा एवं प्रकार – नैयायिक एवं बौद्धमत
2. अनुमान के अवयव – नैयायिक एवं बौद्धमत
3. हेत्वाभास

इकाई–3 1. वेन रेखा – पद्धति द्वारा वैधता परीक्षण
2. आकारिक तर्कदोष
3. मिल की विधियॉं

इकाई–4 1. प्रतीकीकरण – विधि
2. परिमाणीकरण सिद्धांत : विशिष्ट और सामान्य प्रतिज्ञप्ति परिमाणीकरण नियम
3. वैधता के आकारिक नियम (10 सूत्र)

इकाई–5 1. अनुमान के नियम (19 सूत्र)
2. अनाकारिक तर्कदोष :
    1. प्रासंगिक
    2. अप्रासंगिक

PAPER – II
LOGIC (INDIAN AND WESTERN)
(Paper Code – 0431)

UNIT-I
1. Nature and definition of Logic
2. The relationship of logic with Metaphysics and Epistemology in Indian tradition.
3. Deduction and Induction

UNIT-II
1. Anuman (Inference) – Definition and types (Nyaya and Buddhist perspectives)
2. Parts (constituents) of Inference (Nyaya and Buddhist perspectives)
3. Hetwabhasa

UNIT-III
1. Validity-test by Vein diagram
2. Formal fallacies
3. Methods of Mill

UNIT-IV
1. Techniques of Symbolization
2. Quantification theory: singular and general propositions, Quantification rules
3. Formal proofs of validity (10 rules)

UNIT-V
1. Rules of Inference (10+9=19 rules)
2. Informal Fallacies – 1. Relevant 2. Irrelevant.

BOOKS RECOMMENDED :

1. Symbolic logic : I.M. Copi
2. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : अविनाश तिवारी
3. अनुमान प्रमाण : बलिराम शुक्ल
4. भारतीय दर्शन में अनुमान : ब्रजनारायण शर्मा
5. Logic, Language and Reality : A.B.K. Matilal
6. Fundamentals of logic : A. Singh C. Goswami
7. Modern Introduction to Indian logic : S.S. Barlinge
8. तर्कशास्त्र का परिचय : आइ. एम. कोपी, अनु. संगम लाल पाण्डेय

तृतीय प्रश्न पत्र
ज्ञान मीमांसा (भारतीय और पाश्चात्य)
(पेपर कोड–0432)

इकाई–1
1. भारतीय परम्परा में ज्ञानः प्रमा, अप्रमा, प्रामाण्य
2. स्वतः प्रामाण्यवाद और परतः प्रामाण्यवाद

इकाई–2
1. प्रमाण–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि
2. प्रमाण व्यवस्था तथा प्रमाण सम्प्लव

इकाई–3
1. ख्यातिवाद–अख्यातिवाद, आत्मख्यातिवाद, अन्यथाख्यातिवाद, असत्ख्यातिवाद, विपरीत–ख्यातिवाद, सदासत् ख्यातिवाद, अभिनव–अन्यथा ख्यातिवाद, अनिर्वचनीय ख्यातिवाद, सद्ख्यातिवाद

इकाई–4
1. पाश्चात्य परम्परा में ज्ञान की उत्पत्ति तथा स्वरूप– बृद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद
2. विश्वास और ज्ञान–परिभाषा एवं स्वरूप
3. प्रत्यक्ष के सिद्धान्त (पाश्चात्य दर्शन के अनुसार)

इकाई–5
1. सत्य के सिद्धांत–स्वतः प्रमाणित, संवादिता, संसक्तता, फलवाद
2. प्रागनुभाविक ज्ञान – विश्लेषणात्मक एवं संश्लेषणात्मक

ENGLISH VERSION **PAPER – III**

EPISTEMOLOGY (INDIAN AND WESTERN)
(Paper Code – 0432)

UNIT-I
1. Cognition in Indian – Valid, Invalid and validity
2. Svatahpramanyavada and paratahpramanyavada

UNIT-II
1. Pramanas – Pratyaksa, Anuman, Sabda, Upmana, Arthapatti, Anupalabdhi
2. Pramana Vyavastha and pramana samplava

UNIT-III
1. Khyativada – Akhyati, Anyathakhyati Viparitakhyati, Atmakhyati, Aniravacaniya khyati, Abhinava – anyath a khyati, Sadastkhyati

UNIT-IV
1. Origin and Nature of knowledge in western tradition- Rationalism, Empiricism, Criticalism
2. Belief and Knowledge
3. Theories of perception (According to western philosophy)

UNIT-V
1. Theories of truth – Self evidence, Correspondence, Coherence, Pragmatic
2. Apriori knowledge – Analytic and Synthetic

BOOKS RECOMMENDED :

1. D.M. Dalta : The six ways of knowling
2. Debabrata sen : The Concept of Knowledge
3. Srinivasa Rao : Perceptual Error, Indian theories
4. J.L. Pollock : Contemporary theories of knowledge
5. S. Bhattacharya : Doubt, belief and knowledge
6. एस. राधाकृष्णन् : भारतीय दर्शन, भाग 1 एवं भाग 2
7. संगम लाल पांडेय : भारतीय दर्शन
8. पाश्चात्य दर्शन : याकूब मसीह

चतुर्थ प्रश्न पत्र
तत्वमीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(पेपर कोड – 0433)

इकाई–1
1. तत्वमीमांसाः संभावना, विषय वस्तु, क्षेंत्र।
2. मानव : आत्मवाद, नैरात्मवाद, आत्मा और जीव, जीव–कर्ता भोक्ता और ज्ञाता के रूप में जीव के विभिन्न आयाम।
3. परम सत्ः – सत् और ब्रहम।

इकाई–2
1. ईश्वर : भक्ति सम्प्रदाय में ईश्वर की मुख्य भूमिका–रामानुज के विशेष संदर्भ में। ईश्वर अस्तित्व सिद्धि–पक्ष तथा विपक्ष। कर्माध्यक्ष के रूप में ईश्वर।
2. भौतिक जगत : पंचभूत का सिद्धान्त, त्रिगुण और पंचीकरण का सिद्धान्त, व्यावहारिक और पारमार्थिक सत्।

इकाई–3
1. सामान्य : विभिन्न भारतीय सम्प्रदायों के मत।
2. कारणता : विभिन्न भारतीय मत एवं विवाद।
3. कोटि विषयक संशयवाद : नागार्जुन एवं श्री हर्ष के संदर्भ में।

इकाई–4
1. आभास और सत् (पाश्चात्य परम्परा में)।
2. सत् एवं संभूति (पाश्चात्य परम्परा में)।
3. द्रव्यः लाइवानिज, हयूम।

इकाई–5
1. कारणता

2. देश और काल (सभी पाश्चात्य परम्परा में)
3. मनस् और शरीर

ENGLISH VERSION **PAPER – IV**

METAPHYSICS (INDIAN AND WESTERN)

(Paper Code – 0433)

UNIT-I
1. Possibility scope and concern of metaphysics
2. Man : Self as Atman, Nairatmavada, Atma and Jiva
   Jiva as Karta, Bhokta and Jnata-different perspectives
3. Ultimate reality: Sat and Brahman

UNIT-II
1. God: The central role of God in Bhakti School with special reference to Ramanuja. Proofs for and against the existence of God, God as karmadhyaksha.
2. Physical world: Theories of five elements gunas and Panchi Karana

UNIT-III
1. Universals : The debate amongst the different Indian Schools
2. Causation : Different Indian Views and debates
3. Scepticism about categories : Nagarjuna and Shriharsha.

UNIT-IV
1. Appearance and reality (In western tradition)
2. Being and becoming
3. Substance. Leibnitz and Hume

UNIT-V
1. Causation
2. Space and time
3. Mind and body (All in western tradition)

BOOKS RECOMMENDED :

1. Stephen H. Phillips : Classical Indian Metaphysics
2. P.K. Makhopadhya : Indian Realism
3. Harsh Narayan : Evolution of Nyaya Vaisheshik Categories
4. Richarch Taylor : Metaphysics
5. David Hales (ed) : Metaphysics: Contemporary Readings
6. F.H. Bradley : Appearance and Reality
7. पाश्चात्य दर्शन : याकूब मसीह
8. भारतीय दर्शन : संगम लाल पांडेय

एम.ए. (अंतिम) दर्शनशास्त्र

एम.ए. अंतिम परीक्षा 2016 हेतु कुल चार प्रश्न पत्र होंगे जिनमें प्रत्येक के 100 अंक होंगे। निम्नलिखित दो प्रश्न पत्र अनिवार्य होंगे :–

अनिवार्य प्रश्न पत्र

क्र.	प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक	पेपर कोड
1.	समकालीन पाश्चात्य दर्शन	100	0434
2.	आधुनिक भारतीय दर्शन	100	0435

वैकल्पिक प्रश्न पत्र

एम.ए. अंतिम दर्शनशास्त्र परीक्षा 2016 हेतु निम्नलिखित प्रश्न पत्रों के समूह में से किन्हीं दो वैकल्पिक प्रश्न पत्रों का चयन परीक्षार्थियों को करना होगा :–

क्र.	प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक	पेपर कोड
3.(अ)	धर्म दर्शन	100	0436
3.(ब)	छत्तीसगढ़ की संत परम्परा का दर्शन	100	0437
3.(स)	योग दर्शन	100	0438
4.(अ)	शंकराचार्य का अद्वैत दर्शन	100	0439
4.(ब)	विवेकानंद का दर्शन	100	0440
4.(स)	गांधी दर्शन	100	0441
4.(द)	अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन	100	

PAPER – I
CONTEMPORARY WESTERN THOUGHT
(Paper Code – 0434)

UNIT-I
1. F.H. Bradley - Idealism
2. G.E. Moore - Reaslim
3. Russell

a. Knowledge by Acquaintance and knowledge by Description
b. Logical Atomism

UNIT-II Ludwig Wittgenstein

a. Propositions (Atomic facts, Elementary Proposition, Truth Functions, Logical Atomism)
b. Picture Theory
c. Language game
d. Other mind

UNIT-III A.J. Ayer

a. Verification Theory
b. Elimination of Metaphysics
c. The Nature of Philosophical analysis
d. Critique of Ethics and Theology

UNIT-IV Pragmatism : 1. James, Dewy,
2. Karl Marx

UNIT-V 1. Existentialism : Sartre, Keirkagaard
2. Phenomenology

BOOKS RECOMMENDED :

1. Philosophical studies : G.E. Moore
2. Problems of Philosophy : B.Russell
3. अस्तित्ववाद के प्रमुख विचारक : लक्ष्मी सक्सेना, सभाजीत मिश्र
4. समकालीन पाश्चात्य दर्शन : जगदीश सहाय श्रीवास्तव
5. समाकलीन पाश्चात्य दर्शन : बसंत कुमार लाल
6. अस्तित्ववाद पक्ष और विरोध : पाल रूविचेक
7. फिलासाफिकल इन्वेस्टिगेसन्स : विटगेन्स्टाइन (अनु, अशोक वोहरा)
8. भाषा, सत्य एवं तर्कशास्त्र : ए.जे. एयर, (अनु, भूपेन्द्र)

PAPER – II
MODERN INDIAN THOUGHT
(Paper Code – 0435)

UNIT-I (i) Background
a. Characteristic Features
b. Indian Philosophy today : Problems and direction
(ii) Swami Vivekananda
c. Universal religion
d. Practical Vedanta
e. Four kinds of yoga

UNIT-II (i) Rabindranath Tagore
a. Man and God
b. Religion of man
(ii) Mahatma Gandhi
c. Truth and Satyagraha
d. Non-Violence
e. Criticism of modern civilization.

UNIT-III (i) Dr. S.Radhakrishnan
a. Intellect and intuition
b. Synthesis of East and West
(ii) Sri Aurobindo
c. Reality as “sat-cit-ananda”
d. Theory of Evolution
e. Super mind.

UNIT-IV (i) M.N. Roy
a. Criticism of communism
b. Radical Humanism
(ii) K.C. Bhattacharya
c. Concept of Philosophy
d. Grades of Consciousness
e. Interpretation of maya.

UNIT-V (i) Bal Gangadhar Tilak :
Interpreatation of the Gita, yogah Karmasu Kausalam.
(ii) B.R. Ambedkar:
Criticism of social evil
(iii) J. Krihnamurti :
Concept of freedom
(iv) D.M. Datta :
Knowledge, Reality and the unknown
(v) Acharya Rajneesh (OSHO)
Concept of Education

BOOKS RECOMMENDED :

1. विवेकानंद साहित्य
2. Complete works of Swami Vivekananda
3. बाल गंगाधर तिलक : गीता रहस्य
4. Sri Aurobindo : The life Divine.
5. R.N. Tagore : The Religion of Man
6. K.C. Bhattacharya : Studies in Philosophy
7. Radhakrishnan : An Idealist view of life
8. J. Krishnamurty : Freedom from the known
9. डॉ. रामजी सिंह : गांधी दर्शन
10. B.R. Ambedkar : Writings and Speeches Vol. I
11. डॉ. बी. कार्णिक : मानवेन्द्र नाथ राय
12. डॉ. डी. डी. बंदिष्टें : नवमानववाद
13. ओशो : शिक्षा में क्रांति

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (अ)
धर्म – दर्शन
(पेपर कोड – 0436)

इकाई–1 धर्म दर्शन का महत्व तथा स्वरूप, धर्म की परिभाषा एवं उसका विज्ञान तथा दर्शन से संबंध, धार्मिक चेतना का स्वरूप।

इकाई–2 धर्म की उत्पत्ति के सिद्धांत एवं धर्म की आवश्यकता।

इकाई–3 धर्म का मनोवैज्ञानिक आधार, धर्म दर्शन के प्रकार।

इकाई–4 ईश्वर का स्वरूप एवं गुण, ईश्वर की सत्ता सिद्ध के प्रमाण, अशुभ की समस्या।

इकाई–5 धार्मिक अनुभूति का स्वरूप : हिंदू, बौद्ध, जैन, इसाई, इस्लाम धर्म का सामान्य ज्ञान।

अनुशंसित पुस्तके –

1. धर्म दर्शन – डॉ. रामनारायण व्यास, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी

2. धर्म दर्शन – डॉ. लक्ष्मीनिधि शर्मा
3. धर्म दर्शन – हृदय नारायण मिश्र
4. धर्म दर्शन – दुर्गादत्त पांडेय

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (ब)
छत्तीसगढ़ की संत परम्परा का दर्शन
(पेपर कोड – 0437)

इकाई–1 1. भारतीय संत परंपरा
2. छत्तीसगढ़ की संत परंपरा का सर्वेक्षण

इकाई–2 **कबीरदास**
1. कबीरदास की पृष्ठभूमि
2. कबीर दर्शन
3. छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ की दार्शनिक एवं साहित्यिक परंपरा

इकाई–3 **वल्लभाचार्य**
1. छत्तीसगढ़ में वल्लभाचार्य की जन्म स्थली चंपारण : वल्लाभाचार्य की बैठक
2. वल्लाभाचार्य का दर्शन : ब्रह्म, आत्मा, जीव, जगत्, माया, मोक्ष
3. पुष्टिमार्ग

इकाई–4 **गुरू घासीदास**
1. गुरू घासीदास का धर्म : सतनाम पंथ
2. गुरू घासीदास का दर्शन

इकाई–5 संत कबीरदास, श्रीमद् वल्लाभाचार्य एवं गुरू घासीदास के धार्मिक एवं दार्शनिक विचारों की तुलना

अनुशंसित पुस्तके –

1. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तर भारत की संत परंपरा
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास
3. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर
4. डॉ. रामकुमार वर्मा : संत कबीर
5. डॉ. श्याम सुंदर दास : कबीर ग्रंथावली
6. अयोध्यासिंह उपाध्याय : कबीर रचनावली
7. डॉ. सत्यभामा आडिल : संत धर्मदास : कबीर पंथ के प्रवर्तक
8. डॉ. सालिक राम अग्रवाल : संत कबीर एवं कबीर पंथ
9. वल्लभाचार्य : अणुभाष्य
10. वल्लभाचार्य : तत्वदीप निबंध
11. दीनदयाल गुप्त : अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय
12. सीताराम चतुर्वेदी : महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य एवं पुष्टि मार्ग
13. हीरा लाल शुक्ल : गुरू घासीदास : संघर्ष, समन्वय और सिद्धान्त

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – तृतीय (स)
(पेपर कोड – 0438)
YOGA DARSHAN

UNIT-I Cittavritti : yoga as cittavrittinirodhah, vrittis : pramana, viparyaya, vikalpa, nidra, smriti; their control through abhyasa and vairagya

UNIT-II Two types of Samadhi (samprajnata and asamprajnata) and their characteristics ; attainment of Samadhi through meditating on Isvara (God); nature of Isvara; cittaviksepas and the manner of overcoming them: sabija and nirbija Samadhi

UNIT-III Five klesas and their nature; conjunction drasta and drisya as the root cause of ignorance; kaivalya results from removal of avidya; the eight-fold path leading to kaivalya : yama, niyama, asana, pranayama, pratyahara, dhyana, dharana, Samadhi; the varieties and characteristics of each one of the above eight elements.

UNIT-IV Concentration of citta on various entities and the resulting consequences : eight siddhis resulting from control over citta and their description : kaivalya as Resulting only when the siddhis are transcended.

UNIT-V The nature of nirmanacitta : kinds of karmas and vasanas produced by it:ending of beginning less vasanas : dharmaneghasamadhi : nature of kaivalya.

SUGGESTED READINGS:

1. M.N. Dvidedi (Tr.) : Patanjali's Yogasutra, Adyar, 1947
2. Ganganatha Jha (Tr.) : Patanjali's Yogasutra with Vyasa's Bhasya, Vijnana Bhiksu's Yogavarttika and notes from Vacaspati Misra's Tattvavaisardi, Bombay, 1907
3. J.H. Woods (Tr.) : Patanjali's Yogasutra with Vyasa's Bhasya and Vacaspati Misra's Tattvavaisaradi, Delhi, 1966
4. Surendranath Dasgupta : The study of Patanjali, Calcutta, 1920
5. Mircea Eliade : Yoga : Immortality and Freedom (Tr. From French by Willard R. Trask) Princeton, 1970
6. Sri Aurobindo : The Synthesis of yoga
7. T.S. Rukmani (Tr.) Yogavartika of Vijnana Bhiksu. Vols. I to IV, Delhi, 1985.

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (अ)
शंकर का अद्वैत वेदांत
(पेपर कोड – 0439)

इकाई–1 अध्यास, माया, अविद्या, विवर्तवाद।

इकाई–2 ब्रह्म, आत्मा, जीव, जगत, मोक्ष।

इकाई–3 चतुः सूत्री।

इकाई–4 तर्कपाद – शंकराचार्य द्वारा सांख्य, वैशेषिक, जैन एवं बौद्ध दर्शन की आलोचना।

इकाई–5 रामानुज द्वारा शंकर की आलोचना।

सहायक पुस्तके :–

1. शांकर – भाष्य, सत्यानंदी दीपिका : ब्रह्म सूत्र
2. रामस्वरूप सिंह नौलखा : शंकर का ब्रह्मवाद
3. राधाकृष्णन : भारतीय दर्शन, भाग–2
4. जगदीश सहाय श्रीवास्तव : अद्वैत वेदांत की तार्किक भूमिक
5. एन.के. देवराज : भारतीय दर्शन
6. एस.एन. दासगुप्ता : भारतीय दर्शन

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (ब)
स्वामी विवेकानंद का दर्शन
(पेपर कोड – 0440)

इकाई–1 स्वामी विवेकानंद का जीवन परिचय, रामकृष्ण परमहंस क प्रभाव, तत्कालीन सामाजिक–धार्मिक रिस्थितियां एवं उनका विवेकानन्द पर प्रभाव, पारंपरिक वेदान्त का विवेकानन्द पर प्रभाव, नव्य वेदान्त का सामान्य परिचय।

इकाई–2 विवेकानन्द का वेदांत दर्शन : ब्रह्म, माया, जीवन, मोक्ष। पारंपरिक वेदांत और नव्य वेदान्त में अंतर।

इकाई–3 विवेकानन्द का धर्म दर्शन : धर्म का स्वरूप, धार्मिक सहिष्णुता, सार्वभौम धर्म, विभिन्न धर्मो पर विवेकानन्द की तुलनात्मक दृष्टि, धर्म और आध्यात्मिकता, वर्तमान में धर्म की प्रासंगिकता।

इकाई–4 विवेकानन्द का योग : ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, राजयोग।

इकाई–5 विवेकानन्द का समाजदर्शन : भारतीय समाज का स्वरूप, जाति एवं वर्ण–व्यवस्था, सामाजिक न्याय, संस्कृति राष्ट्रवाद।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र – चतुर्थ (स)
गांधी दर्शन
(पेपर कोड – 0441)

इकाई–1 मोहनदास करमचन्द गांधी : जीवन परिचय, गांधी दर्शन को प्रभावित करने वाली तत्कालीन परिस्थितियॉ एवं विभित्र धर्म। सर्वोदय विचार।

इकाई–2 गांधी दर्शन : ईश्वर का स्वरूप, जीव, जगत, भक्ति, धर्म का स्वरूप, सर्व–धर्म समभाव।

इकाई–3 सत्याग्रह और अहिंसा : नैतिक सामाजिक आध्यात्मिक दृष्टि से विवेचन।

इकाई–4 समाज दर्शन : वर्ण व्यवस्था, ट्रस्टीशिप, बुनियादी शिक्षा, एकादश वव्र का नैतिक तथा सामाजिक महत्व और समाजवाद।

इकाई–5 गांधी दर्शन की प्रासंगिकता : युद्ध और शान्ति, धर्म और राजनीति, साम्प्रदायिकता, हिन्दू मुस्लिम सम्बन्ध, उदारीकरण, वैश्वीकरण और स्वदेशी आदि के संदर्भ में।

सहायक ग्रन्थ :

1. गांधी बाडमय (संदर्भित अंश)
2. महात्मा गांधी का समाज दर्शन : डॉ. महादेव प्रसाद
3. Gandhian Philosophy of Sarvoday : S.N. Sinha
4. सत्य के प्रयोग (गांधी : आत्मकथा)
5. गीता माता (गीता पर गांधी की टीका)
6. प्रार्थना प्रबंधन : सस्ता साहित्य मण्डल

प्रश्न–पत्र–चतुर्थ (द)
''अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन''

नोट– यह प्रश्न–पत्र अन्य प्रश्न पत्रो की तरह 100 अंको का होगा और इसे सत्र 2015–16 (जुलाई 2015 से– जिसकी परीक्षा 2016 में होगी) से लागू माना जायेगा ।

1. अघोर–परम्परा का परिचय–

क. अघोर एवं अवधूत के अभिप्राय.
ख. अघोर परम्परा का संक्षिप्त इतिहास.
ग. अघोर परम्परा के त्रिरत्न

अ. अवधूत दत्तात्रेय
आ. अघोराचार्य कीनाराम
इ. अघोरेश्वर भगवान् राम

2. ज्ञान–मीमांसा एवं तत्त्व–मीमांसा–

- प्रत्यक्ष प्रमाण
- अनुमान प्रमाण
- शब्दप्रमाण
- अपरोक्षानुभूति
- परम तत्व : सर्वेश्वरी
- प्राण
- आत्मा
- जगत

3. नीति दर्शन एवं साधना–पक्ष

- नीति दर्शन
  - समदर्शिता व समवर्तिता का समन्वय
  - प्राण साधना
    - नैतिक आचरण
    - प्राण नियंत्रण
    - ध्यान–समाधि
  - शव–साधना–समत्व योग
  - मानवता के व्रत
- साधना पक्ष
  - दीक्षा
  - मात्र जप
  - सत्संग
  - स्वधर्म
  - अघोर–घोर

4. समाज–दर्शन

अ.

- समाज दर्शन के आधार
  - अभेद
  - अघृणा
  - अभय
- मानववाद
- योग्यताधारित श्रम विभाजन
- मानव–धर्म–साम्प्रदायिकता का विरोध
- राष्ट्र, युवा, नारी–शक्ति

ब.

- अघोर–दर्शन का व्यावहारिक अनुवर्तन
  - आश्रमों की स्थापना
  - सामाजिक कुरीतियों का विरोध एवं समाधान
  - कुष्ठ–रोग निवारण
  - पर्यावरण–संरक्षण

5. तुलनात्मक अध्ययन

- उपनिषद एवं अघोरवाद
- बौद्व दर्शन एवं अघोरवाद
- योग दर्शन एवं अघोरवाद
- समकालीन मानववाद एवं अघोरवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. औघड़ भगवान राम– पं.यज्ञ नारायण चतुर्वेदी– श्री सर्वेश्वरी समूह,
2. अघोरेश्वर स्मृति वचनामृत– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
3. अघोर गुरू गुह– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
4. अघोरेश्वर संवेदनशील– सं.लक्ष्मण शुक्ल– श्री सर्वेश्वरी समूह,
5. अघोर वचन शास्त्र– अघोरेश्वर भगवान राम– श्री सर्वेश्वरी समूह,
6. अघोर विचार दर्शन– सं.मान बहादुर सिंह– श्री सर्वेश्वरी समूह,
7. अघोरेश्वर भगवान राम का दर्शन– डॉ.राम प्रकाश सिंह– श्री सर्वेश्वरी समूह,
8. अघोड़–मत : सिधांत एवं साधना– डॉ.सरोज कुमार मिश्र– क्र. 01 से 08 तक उल्लेखित ग्रंथो के प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थान– अघोर शोध संस्थान एवं गंथालय, अवधूत भगवान राम कुष्ट सेवा आश्रम, पड़ाव, वाराणसी है ।
9. संत–मत का सरभंग सम्प्रदाय– डॉ.धर्मेन्द ब्रहाचारी शास्त्री– बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना
10. तुलनात्मक धर्म–दर्शन– डॉ.याकूब मसीह– मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
11. भारतीय दर्शन– डॉ.नंद किशोर देवराज–उत्तर प्रदेश हिंदी संसथान, लखनऊ
12. अघोर पंथ और संत कीनाराम– डॉ.सुशीला मिश्र– विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

(Semester System)
P.G.Diploma in Yoga Education and Philosophy
Syllabus. (Effective from 2016-17 (Exam.2017.)

There shall be two theory papers and one Practical (Three parts) in each semester.

SEMESTER -I

Paper -1 Theoritical Yoga Vijnan **M.M.-50.**

Unit-I : Introductio to Yoga : The concept,meaning ,definition and tradition of Yoga, Guru-Shishya (types and meaning)

Unit-II : Basic texts of Yoga --Yoga Sutra(Samadhi and Sadhana Padas), Hathyoga Pradipika.

Unit-III : Kinds of yoga : Bhakti yoga ,Karma yoga, Mantra yoga and Raj yoga.

Unit-IV : Study of Ida,Pingala, Sushumna,Seven Chakras ,Five Koshas, and Five Pranas.

Unit-V : Contemporary Yogis --Shri Aurobindo,Satyananda and Shivananda.

Paper -2. Applied Yoga Vijnan. **M.M. 50.**

Unit-I : Meaning ,definition and importance of Yoga and Health in life. Theories of Health,Various exercises benefits of Yoga- asanas and their values vis-a-vis other systems.

Unit -2 : Practice of Yoga - Preparation . Food , Dress, Sequence , Climatic Changes daily routine Vratas for health,positive and negative factors.

Unit -3 : Life pattern and Yoga --Effects of yoga upon bodily functions,Role of yoga asanas in modern living.

Unit - 4 : Physiology- Constitution Nervous system , Respiratory system, Circulatory system and ESndocrine glands.

Unit- 5 : Aspects of Mind (Topograficals and Dynamic) Id,Ego and Super Ego, Concious , Sub-concious and Un-concious. Yogic concept of mind and mental process.

Practicals

Practice Teaching (indoor) M.M. 50.

Asanas

Kri**yas**

PranayamasClass arrangement.

Meditation

Practical(1-6) M.M. 50.

1. Pawanmuktasana Part-1,2 &3
2. Asanas :,Relaxation,Pre-meditative,backward and forward bending, Spinal Cord Twisting and balancing, Asanas of Vajrasana group & Standing pose.
3. Nadishodhan and Pranayamas : Sheetali Pranayama, Sheetakari Pranayama, Ujjayi Pranayama & Bhramari Pranayama.
4. Mudra : Hastmudra, Manmudra and Kayamudra.
5 Bandha : Moolbandha & Jalandhar Bandha.
6. Shawaasana.

Practical record : **M.M. 25**

Viva-Voce **:** **MM 25**

Total Marks 250.

SEMESTER-II

Paper -I Yoga Philosophy. **Max.Marks :50**

Unit-I The subject matter of Yoga philosophy-
Samkhya: Prakriti,Purusha and Cosmology.
Vedanta :Brahman Soul and Maya.

Unit-II Different systems of philosophy :
Pancha Mahavrata -- Jainism.
Ashtang Marg -- Buddhism
Integral Yoiga -- Shri Aurobindo

Unit-III Yoga Sutra : Nature of Chitta, Chitta vrittis and Bhoomis

Unit-IV Kinds of Yoga : Hatha Yoga, Kundalini, Jnana,Laya.

Unit-V Psychosomatic disorders(meaning and types) their management through Yoga, Aging --Its problems and management through Yoga.

Paper II. Hatha Yoga. **M.M. - 50**

Unit-I Introduction to the HathPradipika and Gherand Samhita.

Unit-II Pranayama--Its meaning methods,kinds, Precaution and benifits.

Unit-III Shuddhi kriya--Shatkarma,its method and utility.

Unit-IV Bandha and Mudras --methods and benifits.

Unit-V Samadhi, Different systems of Meditation.

Practicals.

Practice Teaching (Indoor) M.M. - 50
Asanas, Kriyas, Pranayamas,
Class arrangement & Meditation.

Practicals (1-8) M.M.- 50

1. Balancing Asanas.
2. Asanas of Higher group.
3. Surya Namaskar.
4. Pranayama : Suryabheda Pranayama, Bhastrika Pranayama, Kapalabhati Pranayama & Moorchha Pranayama.
5. Bandha : Uddiyaan Bandha & Mahaabandha.
6. Mudra : Bandha Mudrayen & Aadhaar Mudrayen.
7. Shatkarma.
8. Dhaayana & Yoganidra.

Practical records M.M. 25
Viva-voce M.M. 25
Total Marks Semester -II --- 250

==========

Grand Total I & II Sem. ------ 500

(Annual System)
M.Phil. Comparative Religion and Philosophy.
Revised Syllabus w.e.f. Session 2014-15(Examination 2015.)

Note : All the three papers are compulsory.

Paper-I : Research Methodology.

Definition of Research, Nature of research in Religion and philosophy,
Research methodology in Social Sciences and Philosophy.
Selection of Research topic, Preparation of Synopsis and Review of research available in the field.
Data collection.
Standard format of Bibliography and References in thesis.
Different methods of Research : Analytic --Language analysis.
Synthetic, Inductive, Deductive methods,
Hypothesis, Verification and Falsification, Explanation.
Method/Technique of writing Abstract, Research paper and Dissertation.
Computer Application : Use of Search Engines, useful Websites,
Use of Microsoft word and Excel.

Paper –II : Study of Religions.

Vedic Religions --God and Liberation.
Jainism and Buddhism :Ethics and Liberation.
Sikh , Satnam : Basic concepts.
Christianity , Islam : Basic concepts.
Comparative evaluation of Religions of Indian and Non-Indian origin.

Paper-III : Comparative Study of Religions.

Definition of religion, Nature of Religion, Religion and Culture, Dharma and religion.
Definition and Nature of Philosophy of religion.
Aspects of Comparative study of Religion: Human nature, Need of Faith, Relgious Practices.
Atheism, Theism, Inter- Religious Dialogue.
Concept of God, Cosmology and Liberation as per :
Radhakrishnan, R.N.Tagore ;
Vivekanand, M.K. Gandhi ;
Kierkegaard, Paul Tillich.

एम.फिल. : तुलनात्मक धर्म एवं दर्शन

(संशोधित पाठ्यक्रम सत्र 2014–15 (परीक्षा 2015) से प्रभावी)

नोट : सभी तीन प्रश्न पत्र अनिवार्य है.

प्रथम प्रश्नपत्र : शोध प्रविधि

शोध की परिभाषा, रिलीजन और दर्शन में शोध का स्वरूप, समाज विज्ञान और दर्शन में शोध प्रतिधिया.

शोध विषय का चयन, रूपरेक्षा (सिनोप्सिस) निर्माण और सम्बंधित क्षेत्र में उपलब्ध शोध कार्य का पुनरावलोकन, सामग्री–संकलन, ग्रंथ–सूची और संदर्भ–अंकन का मानक रूप.

शोध की विभिन्न विधियॉ : विश्लेषणात्मक विधि – (भाषा विश्लेषण), संश्लेषण, आगमन, निगमन विधिया.

प्राक्कल्पना–सत्यापन और मिथ्यापन, व्याख्या.

शोध संक्षेपिका, शोध आलेख और लघुशोध प्रबंध लेखन विधियॉ/तकनीक.

कंप्यूटर प्रयोग : सर्च इंजिन, वेबसाईट, **Microsoft Word** तथा **Excel** का प्रयोग.

द्वितीय प्रश्नपत्र : विभिन्न पंथों का अध्ययन

1. वैदिक : ईश्वर एवं मुक्ति.
2. जैन, बौद्ध : मुक्ति एवं उसके साधन.
3. सिक्ख, सतनाम : मूल अवधारणाएं
4. ईसाई एवं इस्लाम की मूल अवधारणाएं
5. भारतीय एवम अभारतीय उद्‌गम के पंथों का तुलनात्मक मूल्यांकन.

तृतीय प्रश्नपत्र : पंथों का तुलनात्मक अध्ययन

रिलीजन की पिरभाषा और स्वरूप. रिजीजन और संस्कृति, धर्म और रिलीजन,
धर्म दर्शन की परिभाषा और स्वरूप.

रिलीजन के तुलनात्मक अध्ययन के विविध पक्ष–मानव स्वभाव,आस्था की आवश्यकता, उपासना पद्धति, अनीश्वरवाद, ईश्वरवाद, पंथों में परस्पर संवाद.

अग्र लिखित के अनुसार ईश्वर की संकल्पना, सृष्टि एवम मुक्ति––

राधाकृष्णन्, टैगोर;

विवेकानन्द, एम.के.गॉधी;

कीर्केगार्ड, पॉल तीलिख.

पी–एच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : दर्शनशास्त्र

नीतिशास्त्र

ऋत ,ऋण तथा यज्ञ कर्मयोग, स्वधर्म, लोकसंग्रह ;भगवदगीता के अनुसार त्रिरत्न; जैन धर्मानुसार योग के यम नियम **सवेगवाद–ए. जे. एयर, सी.एल स्टीवेंसन, परामर्शवाद आर. एम. हेयर, नावेल स्मिथ नव प्रकृतिवाद– फिलिप्पा फुट, जी .जे. वार्नाक**, कांट का कठोरतावाद उपयोगितावाद–स्वरुपएवं प्रासंगिकता
व्यावहारिक नीतिशास्त्र राजनैतिक एवं व्यावसायिक नैतिकता
अधिकार और कर्तव्य–स्वरुप तथा मूल्य, न्याय और दण्ड का सिद्वांत
तर्कशास्त्र की परिभाषा व प्रकृति अनाकारिक तर्कदोष 1 प्रासंगिक 2 अप्रासंगिक

ज्ञानमीमांसा–

भारतीय परंपरा में ज्ञान, प्रमा, अप्रमा, प्रामाण्य, प्रमाण–प्रत्यक्ष ,अनुमान ,उपमान, शब्द,अर्थापत्ति,अनुपलब्धि ख्यातिवाद–अख्यातिवाद, आत्मख्यातिवाद, अन्यथाख्यातिवाद ,असदख्यातिवाद ,विपरीत–ख्यातिवाद सदासत ख्यातिवाद ,अनिर्वचनीयख्यातिवाद ,सदख्यातिवाद ।
पाश्चात्य परंपरा में ज्ञान की उत्पत्ति तथा स्वरुप, बुद्विवाद ,अनुभववाद ,समीक्षावाद
सत्य के सिद्वांत स्वतः प्रमाणित, संवादिता ,संसक्तता ,फलवाद ,
प्रागनुभविक ज्ञान– विश्लेषणात्मक एवं संश्लेषणात्मक

तत्वमीमांसा :

भावना, विषयवस्तु, क्षेत्र मानव : आत्मवाद, नैरात्मवाद, आत्मा और जीव , जीव–कर्ता भोक्ता और ज्ञाता के रुप में जीव के विभिन्न आयाम,
परम सत– सत् और ब्रह्म, कारणता : विभिन्न भारतीय एवं पाश्चात्य मत एवं विवाद ,
देश और काल मनस् और शरीर ;सभी पाश्चात्य परंपरा मे आभास और सत् ;पाश्चात्य परंपरा में

समकालीन पाश्चात्य दर्शन

एफ. एच. ब्रैडले.– अध्यात्मवाद ,जी. .ई. मूर – वस्तुवाद ,लुडविंग विंटगेस्टाइन– ,चित्र सिद्वांत , भाषाई खेल ,ए.जे .एयर,– सत्यापन का सिद्वांत , तत्वमीमांसा का खंडन , दार्शनिक विश्लेषण का स्वरुप, जान डीवी –का व्यवहारवाद,

आधुनिक भारतीय दर्शन

डॉ. एस राधाकृष्णन : बुद्वि और अंतः प्रज्ञा प्राच्य और पाश्चात्य समन्वय ,
श्री अरविंद सत् सत् चित्त आंनद विकासवाद, सुपर माइंड,
एम एन राय : साम्यवाद की आलोचना ,आमूलात्मक मानवतावाद

धर्मदर्शन

धर्मदर्शन का महत्व तथा स्वरुप ,धर्म की परिभाषा एवं उसका विज्ञान तथादर्शन से संबंध ,धार्मिकचेतना का स्वरुप, धर्म की उत्पत्ति के सिद्वांत एवं धर्म की आवश्यकता ,धर्म का मनोवैज्ञानिक आधार ,
ईश्वर का स्वरुप एवं गुण ,ईश्वर की सत्ता सिद्व के प्रमाण, अशुभ की समस्या
धार्मिक अनुभूति का स्वरुप : हिन्दु, बौद्व ,जैन ,इसाई ,इस्लाम धर्म का सामान्य ज्ञान

स्वामी विवेकानंद का दर्शन

विवेकानंद का धर्म दर्शन : धर्म का स्वरुप, धार्मिक सहिष्णुता, सार्वभैम धर्म, विभिन्न धर्मो पर विवेकानंद की तुलनात्मक दृष्टि, धर्म और आध्यात्मिकता, वर्तमान में धर्म की प्रासंगिकता।

गांधी दर्शन

सत्याग्रह और अहिंसा : नैतिक सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विवेचन
समाजदर्शनः वर्ण व्यवस्था ,ट्रस्टशीप, बुनियादी शिक्षा, एकादश व्रत का नैतिक तथा सामाजिक महत्व और समाजवाद
गांधीदर्शन की प्रासंगिकत : युध्द और शांति, धर्म और राजनीति ,साम्प्रदाकिता ,हिन्दु मुस्लिम संबंध, उदारीकरण, वैश्वीकरण ,और स्वदेशी आदि के संदर्भ में।

छत्तीसगढ. की संतपरंपरा :

कबीरदास– कबीरदास की पृष्ठभूमि कबीरदर्शन,छत्तीसगढ में कबीर पंथ की दार्शनिक एवं साहित्यिक परंपरा वल्लभाचार्य
छत्तीसगढ में वल्लभाचार्य की जन्म स्थली चंपारण : वल्लभाचार्य की बैठक वल्लभाचार्य का दर्शनः ब्रहम, आत्मा ,जीव, जगत ,माया ,मोक्ष पुष्टिमार्ग। गुरु घासीदास : गुरुघासीदास का धर्म :सतनाम पंथ, गुरुघासीदास का दर्शन

Ph.D Entrance Syllabus

Ethics :

Concept of Rta, Rna and Yajna, KarmaYoga,Sadharana dharma and Lokasamgrah (according to Gita), Triratna of Jainism,Yama and Niyama of Patanjali Yoga.
Emotivism -A.J.Ayer,C.L.Stevension. Prescriptivism--R.M.Hare.
Neo-Naturalism : Philippa Foot,S.J.Warnack.Rigorism of Kant,
Utilitarianism : Nature and relevance,
Applied Ethics : Political and Business Ethics.

Logic:

Definition and nature of Logic,informal fallacies : 1Relevant and irrelevant
Relation of Logic with Metaphysics and Epistemology in Indian tradition.
Inductive and deductive logic
Anumana (inference) Definition and types (Nyaya and Buddhist perspective)
Constituents of anumaana (Nyaya and Buddhist veiw)

Epistemology :

Indian tradition - Prama, Aprama, Pramanya.
Pramana : Pratyaksa ,Anumana , Shabda, Upamana ,Arthapatti, Anupalabdhi.
Khyativada:
Akhyativada,Atmakhyativada,Anyathakhyativada,Asadkhyativada,Viparitkhyativada,Sadasadkhyativada,Sadkhyativada and anirvachaniyakhyativada.
Western tradition : Origin and nature of knowledge in western tradition, Rationalism Empiricism and Criticalism
Theories of truth--Correspondence, Coherence and Pragmatic .Aprioro knowledge -Analytic and Synthetic .

Metaphysics:
Possibility,scope and concern of metaphysics,
Man : Self as atman , Nairatmavada, Atman and Jiva, Liva as Karta,Bhokta,and jnata,Ultimate Reality : Sat and Brahman.T
Theories and disputes on causation in Indian tradition.
Appearence and Reality (western approach)
Causation, Time, Space Mind-body (all in western tradition)

Contemporary Western philosophy :
F.H.Bradley -- Idealism, G.E.Moore-- Realism
Wittgenstein--Picture theory , language game.
A.J. Ayer--Verification theory, Elimination of metaphysics, Nature of Philosophical Analysis.
John Dewy--Pragmatism.

Modern Indian Thought:
Dr.S.Radhakrishnan -- Intellect and Intuition, Synthesis of East and West.
Shri Aurobindo -Reality as Sad-Chit-Ananda ,Theory of Evolution
M.N.Roy --Criticism of communism, Radical Humanism.

Philosophy of Religion:
Nature and importance of philosophy of religion,Definition of religion,Relation of religion with Science and Philosophy, Nature of religious consciousness , Theories of origin of religion need of religion.Psychological basis of religion, Nature and Attributes of God, Proofs for Existence of God, Problem of Evil.

Vivekanand's philosophy of religion:
Nature of religion, Religious tolerance, Universal relgion,Comparative approach of Vivekananda on different religions Religion and Spirituality, Relevance of religion.

Gandhian philosophy:
Satyagrah and Ahimsa, social and spritul, Social philosophy: Varna System, Trusteeship, Basic Education , Ekadasha-vrat,Ethical & Social importance of Socialism.
Gandhian Philosophy Values : War and Peace, Religion & poltics , Communalism, Hindu, Muslim relation, Liberalization,Globalization and Swadeshi.

Saint tradition of Chhattisgarh:

Kabirdas --Philosophical background of Kabirdas, Philosophy of Kabir, Philosophical and literary tradition of Kabir in Chhattisgarh .Vallabhacharya -- Description of Champaran in Chhattisgarh as Vallabhacharya's birth place, Pushti marga, Philosophy of VallabhacharyaBrahman atman,Jiva World, Maya and Moksha.

Guru Ghasidas-- Religion of asidas-Satanam, Philosophy of Ghasidas.

Course Work for Ph.D.in Philosophy.

S. No.	Paper	Marks
1	Theory Paper	**100**
2	Practical a. Review / Project Work b. Seminar Total	 50 50 **100**
	Grand Total	**200**

Theory Paper : Research methodology :

The candidate must be aware of the following topics --

i. Definition, Aim and Nature of Research,
ii. Selection of topic and preparation of Synopsis,
iii. Formation of Hypothesis. Types of Research,
iv. Matter/data collection, classification and use.,
v. Different methods--Dialectical, Analytical, Synthetic, Inductive, Deductive and Pragmatic.
vi. Preparation of Bibliography, Footnotes and References.
vii. Computer application

Recommended books.

1. Anusandhan Pravidhi Aur Prakiya-- Vinay Pathak, Bhavana Prakashan Delhi.
2. Studies in Philosophical Methods--Chhaya Rai. University of Jabalpur.

The candidate shall prepare a Project/Review and shall present the summary in written form in seminar as per instructions given in revised Ordinance 45 of the University.

=========